तेरी रूहों ने तुझको अब जान लिया है
तेरी निसवत खसम आखिर हैं हम
1- तेरी मेहर का कोई शुमार नहीं,
बेशुमार है यह इसका पार नहीं
रहती हरपल मेहर के ही साये में हम,
तेरी मेहरों करम हम पे खसम
2- कोई बहकाए मुझको मैं बहकूं नहीं,
बिन तेरे और कुछ भी मैं देखूं नहीं
तेरी वाणी ने ऐसा असर है किया,
हुए तेरे खसम आखिर हैं हम
3- धनी आये हैं सबको बतायेगें हम,
खुद जागें हम सबको जगायेंगे हक
यहीं फुरमान मेरे धनी जी का है,
पिया तेरा हुकम निभायेंगे हम
4- हम हारे और आप जीते धनी,
जान अंगना इनायत की है घनी
अपने घर अब तो वापिस चलो ए पिया,
सुख खिलवत का कब पायेंगे हम

Nijanand App